Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अत्यंत गोपनीय - केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग-हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा

मार्च - 2015

अंक योजना - इतिहास (दिल्ली) कोड संख्या 61/1/1

सामान्य निर्देश : मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों के प्रति सावधानी बरतिए।

1. मूल्यांकन करते समय कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान पूर्वक पढ़िए तभी किसी भी संशय की स्थिति में मुख्य परीक्षक से स्पष्टीकरण प्राप्त करें।

2. अंक योजना तैयार करते समय पूर्ण सावधानी बर्ती गई है। फिर भी यह ध्यान में रखना महत्त्वपूर्ण है कि यह न तो विस्तृत है और नही अन्तिम है। यदि परीक्षार्थी ने कोई अन्य उपयुक्त बिन्दु अपने उत्तर में दे दिया है जो अंक योजना में प्रश्न के उत्तर के लिए दिये गए बिन्दु से अतिरिक्त है, तो परीक्षार्थी को उसके लिए उपयुक्त अंक दिए जाये (पूर्ण लाभ)। जहाँ भी आवश्यकता पड़े वहाँ परीक्षक अपने ज्ञान तथा अनुभव का प्रयोग करें।

3. अंक योजना में प्रश्न के उत्तर के लिए केवल सुझात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैं: ये केवल मार्ग दर्शन मात्र के लिए हैं न कि ये ही प्रश्न का पूर्ण उत्तर हैं। परीक्षार्थी अपने शब्दों में उत्तर लिखता है किन्तु सही लिखता है तो उसे इसके लिए उपयुक्त अंक दिए जाँय।

4. कुछ प्रश्न उच्च स्तरीय विचारणीय हो सकतें है। ऐसे प्रश्न आपके लिए विशेष रूप से तारांकित कर दिए गए है। इन सभी प्रश्नों का मूल्यांकन सावधानी पूर्वक किया जाय तथा परीक्षार्थी की समझ एवं विश्लेषणात्मक योगयता की जाँच की जाय।

5. मुख्य परीक्षकों को परीक्षकों द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाएँ पूरी तरह से जाचनी चाँहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उन्होंने अंक योजना के निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया है। शेष उत्तर पुस्तिकाए, यह सुनिश्चित करने के पश्चात कि उनके द्वारा जाँची गई उत्तर पुस्तिकाओं में प्रत्येक परीक्षक की जाँच में विशेष अन्तर नहीं है तभी उन्हें शेष उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचने के लिए दी जाँय।

6. मार्किंग न तो अति कठोर हो और ना ही अधिक उदार हो। गलत स्पैलिंग के लिए अंक न काटे जाये। गलत नामों के लिए, विस्तार में यदि कुछ कमी है या छोटी मोटी गलती है या कुछ छूट गया है तो उसके लिए भी अंक न काटे जाँय। उत्तर की शब्द सीमा पार करने पर भी अंक न काटे जाँय।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

7. यदि परीक्षार्थी दोनों विकल्पों के उत्तर लिख देता है तो दोनों विकल्पों को पढ़कर जो भी अच्छा हो उसके उपयुक्त अंक दिए जाँय।

8. अनेक उत्तरों के मूल्य बिन्दुओं में विशेष विभाजन किया गया है तो ऐसी स्थिति में परीक्षक विभिन्न विभाजनों में उनकी उपयुक्ता के अनुसार अर्थात यदि उत्तर में परीक्षार्थी की समझ और प्रश्न की सीमा के अनुसार अंक देन के लिए अपने विवेक के अनुसार मूल्यांकन कर सकते हैं।

9. अंक योजना में प्रश्न के उत्तर के लिए केवल सुझात्मक मूल्य बिन्दु दिए गए हैंः ये केवल मार्ग दर्शन मात्र के लिए हैं न कि ये ही प्रश्न का पूर्ण उत्तर हैं। परीक्षार्थी अपने शब्दों में उत्तर लिखता है किन्तु सही लिखता है तो उसे इसके लिए उपयुक्त अंक दिए जाँय। कुछ प्रश्न उच्च स्तरीय विचारणीय हो सकतें है। ऐसे प्रश्न आपके लिए विशेष रूप से तारांकित कर दिए गए हैं। इन सभी प्रश्नों का मूल्यांकन सावधानी पूर्वक किया जाय तथा परीक्षार्थी की समझ एवं विश्लेषणात्मक योगयता की जांच की जाय।

10. मूल्यांकन में सम्पूर्ण अंक पैमाने - 0 से 80 का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिन्दुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक दिए जाने चाहिए।

11. सभी तीनों सैटो के लिये अंक योजना अलग-अगल दी गई है।

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

अखिल भारतीय सीनियर सैकन्डरी सर्टिफिकेट परीक्षा इतिहास

प्रश्न-पत्र-संख्या 61/1/1 (दिल्ली)

अंक योजना 2015

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
1	**मौर्य साम्राज्य को इतिहास का एक प्रमुख काल माना गया :** (i) आरंभिक बीसवीं सदी के भारतीय इतिहासकारों को प्राचीन भारत में ऐसे साम्राज्य की संभावना बहुत चुनौतीपूर्ण तथा उत्साहवर्धक लगी। (ii) औपनिवेशिक इतिहासकारों के लेखकों की भी यही प्रतिक्रिया थी। (iii) उन्होंने अशोक को एक शक्तिशाली और प्रेरणात्मक शासक माना है। (iv) अशोक के अभिलेख और 'धम्म' उसे अन्य शासकों से भिन्न करते हैं। (v) प्रस्तर मूर्तियों सहित मौर्यकालीन सभी पुरातत्व एक अद्भुत कला के प्रमाण थे। (vi) चाणक्य के अर्थशास्त्र पर आधारित मौर्यकालीन प्रशासन एक विकासात्मक पहलू था। (vii) प्रांतीय केन्द्रों, नदियों द्वारा व्यापार मार्गों, सांस्कृतिक और आर्थिक फैलाव भी विकासात्मक पहलू थे। (viii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु (किन्हीं दो का उल्लेख) पृष्ठ 31, 34	2
2	(क) अलवार और नयनार सेतों का मुख्य काव्य संकलन - **नलयिरादिव्य प्रबंधम्** (ख) **तमिल क्षेत्रों के सरदारों द्वारा इनकों की गई मदद -** (i) पल्लवों और पांडयों द्वारा भूमि - अनुदान दिए गए। (ii) चोल शासकों ने विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए अनुदान दिए और मंदिरों का निर्माण करवाया। (iii) पत्थर और धातु से बनी मूर्तियाँ सुसज्जित करवायीं गई। (iv) तमिल वेल्लाल कृषकों ने भी समर्थन दिया। (v) इन्होंने संतों को राजकीय संरक्षण दिया।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vi) चिदम्बरम, तंजावूर और गंगैकोंडचोलपुरम के विशाल मंदिरों का भी उल्लेख किया जा सकता है।	
	(vii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	(किसी एक का उल्लेख) पृष्ठ 145, 146	1+1 =2
3	**भ्रमित करने वाले सांख्यिकी आँकड़े :-**	
	(i) संख्याओं के विशाल भंडार से सटीकता का भ्रम पैदा हो जाता है।	
	(ii) यह आंकड़े लोगों की परिवर्तनशील व परस्पर काटती पहचानों को पूरी तरह पकड़ नहीं पाते थे।	
	(iii) मृत्युदर और बीमारियों से संबधित आंकड़ों को इकट्ठा करना मुश्किल था।	
	(iv) बहुत सारे लोग ऐसी पहचानों का दावा करते थे जो ऊंची हैसियत की मानी जाती थी।	
	(v) लोग अपने घर की औरतों के बारे में जानकारी देने से हिचकिचाते थे।	
	(vi) वर्गीकरण निहायत अतार्किक होता था।	
	(vii) लोग जनगणना आयुक्तों को गलत जबाब देते थे।	
	(viii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	कोई दो बिंदुओं का उल्लेख कोजिए। पृष्ठ 320-321	2×1 =2
4	**हड़प्पा संस्कृति के निर्वाह के तरीके -**	
	(i) पुरा-प्राणिविज्ञानियों अथवा जीव - पुरातत्वविदों द्वारा जानवरों की हड्डियों में भेड़, बकरी आदि के अध्यनों से हड़पा के निर्वाह के तरीकों का संकेत मिलता है।	
	(ii) हड़प्पा स्थलों से जले अनाज के दाने, तिल और जानवरों की हड्डियां मिली है।	
	(iii) हड़प्पा वासी जानवर के उत्पादों के साथ मछली भी खाते थे।	
	(iv) जानवरों की हड्डियां जैसे वराह, हिरण और घड़ियाल का सेवन उनके शिकार अथवा विनिमय को सूचित करता है।	
	(v) हड़प्पा स्थलों से मिले अनाज के दानों में गेहूं, जौ, दाल, सफेद चना तथा तिल शामिल है।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vi) यह भेड़, बकरी, भैंस, मवेशियों को कृषि के लिए पालते थे।	
	(vii) पक्की मिट्टी से बने वृषभ के आधार पर पुरातत्वविद यह मानते है कि खेत जोतने के लिए बैलों का प्रयोग होता था।	
	(viii) मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप भी मिले हैं।	
	(ix) खेतों मे हल रेखाओं के दो समूह एक-दूसरे को समकोण पर काटते हुए विद्यमान थे जो दर्शाते हैं कि एक साथ दो अलग-अलग फसले उगाई जाती थी।	
	(x) हड़प्पा स्थलों पर नहरों के भी अवशेष मिले हैं।	
	(xi) कुओं से प्राप्त पानी का प्रयोग सिंचाई के लिए किया जाता था।	
	(xii) जलाशयों का प्रयोग संभवतः कृषि के लिए जल संचयन हेतु किया जाता था।	
	(xiii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु।	
	किन्हीं चार बिंदुओं को स्पष्ट कीजिए पृष्ठ 2, 3, 14	4
5	**अभिलेख साक्ष्यों की सीमाओं की आलोचनात्मक परख -**	
	(i) अक्षरों को हलके ढंग से उत्कीर्ण किया जाता है जिन्हें पढ़ पाना मुश्किल होता है।	
	(ii) अभिलेख नष्ट भी हो सकते है जिनसे अक्षर लुप्त हो जाते हैं।	
	(iii) अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे में पूर्ण रूप से ज्ञान हो पाना सदैव सरल नहीं होता।	
	(iv) बहुत सारे अभिलेखों का अर्थ नहीं निकाला गया है।	
	(v) कई हज़ार अभिलेखों को न ही प्रकाशित किया गया है और न अनुवाद किया गया है।	
	(vi) राजनीतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण अभिलेखो को अंकित नहीं किया गया है।	
	(vii) खेती की दैनिक प्रक्रियाऐं और रोजमर्रा की जिंदगी के सुख-दुख का उल्लेख अभिलेखों में नहीं मिलता है।	
	(viii) अभिलेख हमेशा उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते हैं जो उन्हें बनवाते थे।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(ix) बहुत से अभिलेख बचाए नहीं जा सके हैं।	
	(x) अभिलेखों का उदाहरण देकर इसकी सीमाओं को स्पष्ट किया जा सकता है।	
	(xi) अन्य कोई उपयुक्त बिन्दु	
	(किन्हीं चार का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 47, 48	4
6	**विजयनगर का महानवमी डिब्बा - नामकरण, आकार और कार्य -**	
	(i) महानवमी त्यौहार के नाम पर इस भवन का नामकरण किया गया।	
	(ii) इसके दो प्रभावशाली मंच थे जिन्हें "सभा मंडप" तथा "महानवमी डिब्बा" कहा जाता था।	
	(iii) पूरा क्षेत्र ऊँची दोहरी दीवारों से घिरा था और इनके बीच एक गली थी।	
	(iv) सभा मंडप एक ऊंचा मंच था जिसमें पास-पास तथा निश्चित दूरी पर लकड़ी के स्तंभों के लिए छेद बने हुए थे।	
	(v) इसमें दूसरी मंजिल, जो इन स्तंभो पर टिकी थी, तक जाने के लिए सीढ़ी बनी हुई थी।	
	(vi) स्तंभ एक दूसरे के आस-पास बने थे।	
	(vii) यह एक विशालकाय मंच था जो लगभग 11000 वर्ग फीट के आधार से 40 फीट की ऊंचाई तक जाता था।	
	(viii) इस पर लकड़ी की एक संरचना बनी थी।	
	(ix) यह उभारदार उत्कीर्णन से पटा था।	
	(x) दशहरा, दुर्गा पूजा, नवरात्री या महानवमी जैसे त्यौहार यहां मनाए जाते थे।	
	(xi) विजयनगर शासक अपने रूतबे, ताकत और अधिराज्य का प्रदर्शन यहां करते थे।	
	(xii) यहां धर्मानुष्ठानों में मूर्ति की पूजा, राज्य के अश्व की पूजा तथा जानवरों की बलि भी दी जाती थी।	
	(xiii) यहां नृत्य, कुश्ती प्रतिस्पर्धा तथा साज़ लगे घोड़ों, हाथियों तथा रथों और सैनिकों को शोभायात्रा निकाली जाती थी।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(xiv) नायक और अधीनस्थ राजाओं द्वारा राजा और अतिथियों को औपचारिक भेंट दी जाती थी।	
	(xv) यहां राजा अपनी नायकों की सेना का खुले मैदान में निरिक्षण करता था।	
	(xxi) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	किन्हीं चार की व्याख्या। पृष्ठ 180	4
7	**मुगल साम्राज्य का हृदयस्थल उसके राजधानी नगर -**	
	(i) मुगल साम्राज्य का हृदयस्थल उनके राजधानी नगर थे जहां दरबार लगता था।	
	(ii) 16वीं ओर 17वीं शताब्दियों के दौरान इनकी राजधानियां बड़ी तेज़ से स्थानांतरित हुई।	
	(iii) 1560 के दशक में अकबर ने आगरा के किले का निर्माण करवाया।	
	(iv) 1570 में उसने फतेहपुर सीकरी में एक नयी राजधानी बनाने का निर्णय लिया।	
	(v) राजधानी को बाद में लाहौर स्थांनातरित कर दिया गया ताकि सीमा पर चौकसी रहे।	
	(vi) आगरा से नयी निर्मित शाही राजधानी शाहजहाँबाद बनायी गयी।	
	(vii) यहां लाल किला जामा़ मस्जिद, चाँदनी चौक के बाज़ार की वृक्ष वीथि और अभिजात वर्ग के बड़े-बड़े घर थे।	
	(viii) मनसबदार और जाग़ीदार यहां रहते थे।	
	(ix) मुगल राजधानी नगर जैसे आगरा, दिल्ली और लाहौर राजकीय प्रशासन के महत्वपूर्ण केन्द्र थे।	
	(x) दस्तकार शाही घरानों के लिए वस्तुओं का उत्पादन करते थे।	
	(xi) मुगल बादशाह किलों में रहते थे जिसके बहुत सारे दरवाज़े थे।	
	(xii) यहां पर शहर, मस्जिदें, बाजार, मन्दिर आदि भी थे।	
	(xiii) इन नगरों का केन्द्रबिंदु शाही महल और मुख्य मस्ज़िद थी।	
	(xiv) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	(किन्हीं चार का उदाहरणों सहित स्पष्टीकरण) पृष्ठ 236	4

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
8	**ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा बंगाल की सत्ता पर नियंत्रण -**	
	(i) कंपनी जमींदारी को नियंत्रित तथा विनियमित करना चाहती थी।	
	(ii) कंपनी जमींदारों की सत्ता का अपने वश में तथा उनकी स्वायत्तता को सीमित करना चाहती थी।	
	(iii) कंपनी ने राजस्व राशि को निर्धारित कर दिया था जिसे जमींदारों को देना होता था।	
	(iv) जो जमींदार अपनी निश्चित राशि नहीं चुका पाते थे उनसे राजस्व वसूल करने के लिए उनकी संपदाएं नीलाम कर दी जाती थी।	
	(v) जमींदारों की सैन्य-टुकड़ियों को भंग कर दिया जाता था, सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया।	
	(vi) जमींदारों से स्थानीय न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति भी छीन ली गई थी।	
	(vii) उनकी कचहरियों को कंपनी द्वारा नियुक्त क्लेक्टर की देखरेख में रख दिया गया।	
	(viii) क्लेक्टर का कार्यालय सत्ता के एक विकल्पी केन्द्र के रूप में उभर आया।	
	(ix) राजस्व को भुगतान नहीं करने पर कंपनी अधिकारी को जमींदारी में भेज दिया जाता था जहा वह जिले का कार्यभार अपने हाथ में ले लेते थे।	
	(x) भुगतान में देरी होने पर जमींदार गांव के लोगों पर ताकत का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे।	
	(xi) जोतदार और मंडल, जमींदारों को लगातार परेशान करते थे।	
	(xii) सूर्यास्त विधि कानून उन पर थोपा गया था।	
	(xiii) अन्य कोई उपयुक्त बिन्दु	
	((किन्हीं चार बिंदुओं का स्पष्टीकरण)) पृष्ठ 260	4
9	**केबिनेट मिशन के प्रावधान -**	
	(i) मार्च 1946 में ब्रिटिश मंत्रिमंडल ने भारत के लिए एक उचित राजनीतिक रूपरेखा सुझाने के लिए तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल दिल्ली भेजा।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(ii) इन मिशन ने एक ढीले-ढाले त्रिस्तरीय महासंघ का सुझाव दिया। (iii) इसमें भारत एकीकृत ही रहने वाला था। (iv) इसमें केन्द्रीय सरकार को काफ़ी कमज़ोर रखा गया जिसमे केवल विदेश, रक्षा और संचार का जिम्मा होता है। (v) प्रांतीय सभाओं को तीन हिस्सों में समूहबद्ध किया जाता था - • 'समूह क' - हिंदू - बहुल प्रांत • 'समूह ख' - पश्चिमोतर मुस्लिम - बहुल प्रांत • 'समूह ग' - पूर्वोत्तर के मुस्लिम - बहुल प्रांत (vi) इन समूहों को मिलाकर क्षेत्रिय ईकाइयो का गठन किया जाना था। (vii) माध्यमिक स्तर की कार्यकारी और विधायी शक्तियां उनके पास ही रहने वाली थी। (viii) शुरूआत में सभी प्रमुख पार्टियों ने इस योजना को माना, पर बाद में मनाकर दिया। (ix) मुस्लिम लीग की मांग थी कि समूहबद्धता अनिवार्य हो जिसमे भविष्य में संघ से अलग होने का अधिकार हो। (x) कांग्रेस मिशन के इस स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं थी। (xii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु (किन्हीं चार बिंदुओं का विश्लेषण) पृष्ठ 389	4
10	**मूल्य आधारित प्रश्न -** (i) रानी झांसी, तांत्या तोपे, मंगलपांडे और अन्य प्रेरणात्मक लोगों का वीरतापूर्ण संघर्ष। (ii) मातृभूमि के लिए हिन्दू-मुस्लिमों का त्याग/बलिदान (iii) एकता और अंखडता की भावना (iv) मातृभूमि के लिए संघर्ष (v) शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vi) एकता की भावना (vii) राष्ट्रीय अस्मिता और देश के प्रति प्यार (viii) स्वतंत्रता की कामना। (ix) वीर नेताओं की आत्मसम्मान की लड़ाई, पक्षपात और अन्याय के विरूद्ध संघर्ष। (x) देशभक्ति के लिए औरतों की भूमिका (xii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु (उदाहरण सहित चार का आंकलन कीजिए)	4
11	**सांची की संरचनात्मक और मूर्तिकला की विशेषताएं -** **सरचनात्मक विशेषताएं** (i) बुद्ध के अवशेषों या उनके द्वारा प्रयुक्त सामान को गाड़े जाने वाले पवित्र स्थान पर स्तूप बनाए जाते थे। (ii) स्तूप का अर्थ एक गोलार्ध लिए हुए मिट्टी के टीले से है जिसे बाद में अंड कहा गया। (iii) धीरे-धीरे इसकी संरचना ज्यादा जटिल हो गई जिसमें चौकोर और गोल आकारो का संतुलन बनाया गया। (iv) अंड एक छज्जे जैसा ढाँचा देवताओं के घर का प्रतीक था। (v) हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था जिसे यष्टि कहते थे। (छत्री) (vi) टीले के चारों और एक वेदिका होती थी जो पवित्र स्थल को सामान्य दुनिया से अलग करती है। (vii) पत्थर की वेदिकाएं और तोरणद्वार हैं जो किसी बांस के या काठ के घेरे के समान थी। (viii) चारों दिशाओं में खड़े तोरणद्वार पर खूब नक्काशी की गई थी। (ix) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु किन्हीं चार को स्पष्ट किया	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	मूर्तिकला की विशेषताएं (i) तोरणद्धार की मूर्तिकला जातक की कहानियों से ली गई थी। (ii) 'रिक्त स्थान' बुद्ध के ध्यान की दशा तथा 'स्तूप' महापरिनिब्बान का प्रतीक है। (iii) चक्र, बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश का प्रतीक था। (iv) शालभंजिका की मूर्ति के लिए कहा जाता है जिसके छुए जाने से वृक्षों में फूल खिल उठते थे। (v) जो लोग बौद्ध धर्म में आए उन्होंने बुद्ध-पूर्व और बौद्ध धर्म से इतर दूसरे विश्वासों, प्रथाओं और धारणाओं से बौद्ध धर्म को समृद्ध किया। (vi) यहां जातकों से ली गई जानवरों की कई कहानियां है जैसे हाथी, घोड़े, बंदर और गाय - बैल आदि। हाथी शक्ति और ज्ञान के प्रतीक माना जाता था। (vii) इन प्रतीकों में कमल दल और हाथियों के बीच बुद्ध की मां माया की मूर्ति है पर दूसरे इतिहासकार उन्हें गजलक्ष्मी मानते है। (viii) कई स्तंभों पर सर्प भी दिखते है जो लोक परंपराओं का हिसा है। (ix) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु किन्हीं चार को स्पष्ट कीजिए। पृष्ठ 95-103	4+4 = 8
12	**मुगल पंचायतों की भूमिका -** (i) गांव की पंचायत में बुजुर्गो का जमावड़ा होता था जिनके पास सम्पति के पुश्तैनी अधिकार होते थे। (ii) यह एक अल्पतंत्र था जिसमे संप्रदायो और जातियों की नुमाइंदगी होती थी। (iii) पंचायत के मुखिया को मुक़द्दम या मंडल कहते थे जिनका चुनाव लोगों की सहमति से होता था। (iv) मुखिया अपने ओहदे पर तभी तक बना रहता था जब तक बजुर्गो का भरोसा था। (v) गावं के आमदनी व खर्चे का हिसाब-किताब मुखिया का मुख्य काम था जो पटवारी की मदद से करता था।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vi) पंचायत का खर्चा गावं के आम खजाने से चलता था जिसमे हर व्यक्ति अपना योगदान देता था।	
	(vii) अधिकारियों की खातिरदारी, प्राकृतिक विपदाओं को निपटना, सामुदायिक कार्यो, बांध बनाना या नहर खोदने का काम खजाने से खर्च किया जाता था।	
	(viii) पंचायतों का जुर्माना लगाने और समुदाय से निष्कासित करने जैसे ज्यादा गंभीर दंड देने के अधिकार थे।	
	(ix) ग्राम पंचायत के अलावा गावं में हर जाति की अपनी पंचायत होती थी।	
	(x) राजस्थान में जाति पंचायतें जातियों के बीच दीवानी के झगड़ों की निपटाती थी।	
	(xi) राजस्थान और महाराष्ट्र जैसे प्रांतो में जबरन कर वसूली की अर्जियां दाखिल की गई।	
	(xii) ग्राम पंचायत मसलों की सुनवाई करता था।	
	(xxiii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	(किन्हीं आठ बिंदुओं का स्पष्टीकरण) पृष्ठ 202, 203, 204	8
13	**गांधीजी और असहयोग आंदोलन**	
	(i) गांधीजी ने राष्ट्रवादी संदेश के लिए अंग्रेजी भाषा की जगह मातृभाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित किया।	
	(ii) असहयोग आंदोलन के दौरान उन्होंने लोगों को रॉलेट ऍक्ट और जलियांवाला बाग हत्याकांड के खिलाफ प्रेरित किया।	
	(iii) उन्होंने खिलाफत आंदोलन को प्रोत्साहन दिया और स्वराज की मांग की।	
	(iv) वह आत्मानुशासन और परित्याग से जन नेता बने।	
	(v) उन्होंने चरखे के द्वारा स्वशासन की अवधारणा को प्रोत्साहित किया।	
	(vi) उन्होंने भारतीय राष्ट्रवाद के लिए किसानों, श्रमिकों ओर कारीगरों को भाग लेने को कहा तथा व्यवसायिकों व बुद्धिजीवियों को भी भारत के लिए एकजुटता और प्रतिनिधित्व को बात कही। (बनारस हिंदू विश्वविद्यालय भाषण का संदर्भ देते हुए)	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(vii) अहमदाबाद, खेड़ा और चम्पारन के नेतृत्व का उल्लेख	
	(viii) उन्होंने सत्याग्रह को लोकप्रिय बनाया।	
	(ix) असहयोग को खिलाफत के साथ मिलाने से भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदाय- हिंदू और मुसलमानों ने मिलकर औपनिवेशक सरकार को अंत करने के लिए प्रयास किया।	
	(x) ये बातें औपनिवेशिक भारत में बिलकुल ही अभूतपूर्त थी।	
	(xi) अंहिसा का सिद्धान्त	
	(xii) स्वेदेशी और बहिष्कार आंदोलन	
	(xiii) 'गांधीवादी राष्ट्रवाद' की शुरूआत की गई।	
	(xiv) उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता, घर में बुने कपड़े (खादी की बढ़ावा देने) तथा छूआ-छूत को समाप्त करने क साथ औरतों की सामाजिक स्थिति को ऊंचा करने की बात कहीं।	
	(xv) उन्होंने स्वदेशी और बहिष्कार के लिए लोगों से अपील की।	
	(xvi) उन्होंने आम लोगों के पहनावे और जीवन शैली को बल दिया।	
	(xvii) उन्होंने राष्ट्रवादी सिंद्धात को बढ़ावा देने के लिए "प्रजा मंडलो" की श्रृंखला स्थापित की।	
	(xviii) उन्होंने महादेव देसाई, वल्लभ भाई पटेल, जे.बी कृपलानी, सुभाष चंद्र बोस अब्दुल कलाम आज़ाद, जवाहरलाल नेहरू, सरोजिनी नायडू, गोविंद वल्लभपंत, और सी. राजगोपालाचारी जैसे प्रतिभाशाली वर्ग व धार्मिक वर्ग को जोड़ा।	
	(xix) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु	
	कोई आठ बिंदुओं का स्पष्टीकरण पृष्ठ 349-355	8
14	**देश का बंटबारा एक सांप्रदायिक राजनीति -**	
	(i) अंग्रेजों ने 'बांटो और राजकरो' की नीति से संप्रदायिकता को बढ़ावा दिया।	
	(ii) मध्य और आधुनिक युगों में हुए हिंदू-मुस्लिम झगड़ों के लंबे इतिहास से जोड़ने पर इतिहासकारों में भी विरोधाभास है।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) मुस्लिम लीग के निर्माण को प्रोत्साहन (iv) 1909 में मुस्लिमों के लिए पृथक चुनाव क्षेत्रों की बात। (v) 1919 की सांप्रदायिक राजनीति जिसमें पृथक चुनाव क्षेत्रों को बढ़ावा दिया गया। (vi) 'तबदील' और 'शुद्धि' की नीतियों का प्रसार (vii) इकबाल के विचार (viii) 1940 में मुस्लिम लीग की स्वायत्तता को मांग का प्रस्ताव। (ix) 1937 चुनाव (x) मुस्लिम लीग का उत्तर-पश्चिमी भारतीय मुस्लिम राज्य की जरूरत पर जोर (xi) जिन्ना की "पाकिस्तान की मांग" (xii) भारतीय राष्ट्रीय क्रांग्रेस का 'भारत छोड़ो आदोलन' में मुस्लिम लीग का साथ न देना। (xiii) मुस्लिम के लीग के 'केबीनेट मिशन' पर विचार (समूहबद्धता अनिवार्य, संघ से अलग होने का अधिकार, नए चुनावों की व्यवस्था) (xiv) प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस (Direct Action day) 1946 (xv) 1946 के सांप्रदायिक दंगे (xvi) मांऊटबेटन प्लान (xvii) बंटवारे के बाद सांप्रदायिक दंगे (xviii) अन्य कोई महत्वपूर्ण बिंदू। (किन्हीं आठ बिंदुओं का विश्लेषण) पृष्ठ 383 - 391	8
15.	**द्रौपदी के प्रश्न ने सभा में सबको बेचैन क्यों कर दिया -** (i) बैचेन इसलिए किया क्योंकि वह अपने बड़ों से उस बर्ताव का स्पष्टीकरण मांग कर रही थी। (ii) वह अपने पति अपने बड़ों से 'दाँव' पर लगने की बात का प्रश्न पूछ रही थी।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) पर किसी के पास उसके प्रश्नों के जवाब नही थे।	
	(iv) समस्या का कोई हल नहीं था।	
	(v) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई दो)	
15.2	**उसके प्रश्न का प्रभाव**	
	(i) सभा के लोगों के पास उसके प्रश्न का उत्तर नहीं था।	
	(ii) उसके प्रश्न ने सभा के लोगों को सीमाओं पर विचार करने पर मजबूर किया।	
	(iii) उसकी वजह से ही वह अपनी और अपने पतियों की स्वतंत्रता की बात कर सकी।	
	(iv) सभा के लोगो के उसके प्रश्न पर अनेक मत थे।	
	(v) इस प्रश्न का हल मुश्किल था।	
	(vi) उसने औरत के दांव पर लगने वाली बात को लोगों को सोचने पर मजबूर किया।	
	(vii) वह आज की औरतों की अवबोध बनी।	
	(viii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई तीन)	
15.3	**द्रौपदी का प्रश्न प्रशंसनीय क्यों था -**	
	(i) बड़े लोगों की सभा में अपनी परिस्थिति पर उसने प्रश्न किया।	
	(ii) उसने बड़े लोगों को उनकी गलतियों से अवगत करवाया।	
	(iii) उसने उनके अंतकरणः को जागृत किया।	
	(iv) जो हुआ उसके लिए बड़ों ने शर्मिंदगी महसूस की।	
	(v) उसको संपति मान कर दांव पर लगाने वाली बात पर प्रश्न उठाया।	
	(vi) उसको सभा में अपमानित करने पर प्रश्न उठाया।	
	(vii) उसने बड़ों से अपनी गरिमा और सम्मान पर खतरे की बात पर प्रश्न पूछी।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(viii) वह समसायिक स्त्री वर्ग का आदर्श बन गई।	
	(ix) वह बुद्धिमता का प्रतीक थी।	
	(viii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु।	
	पृष्ठ	2+3+7
16.1	फ्रांस्वा बर्नियर की किताब का नाम - **''ट्रैवल्स इन मुगल इंपायर''**	
16.2	**बर्नियर का भारतीय कृषकों का विवरण -**	
	(i) सरकार के उत्पीड़न की वजह से उनमें दरिद्रता	
	(ii) कृषि की बरवादी	
	(iii) किसानों पर अत्याचार	
	(iv) निर्वाह के तरीकों का अभाव	
	(v) कृषकों को बच्चों से भी हाथ धोना पड़ा क्योंकि उन्हें दास बना कर ले जाया गया।	
	(vi) अन्य कोई उपयुक्त बिंदु।	
16.3	**16वीं शताब्दी में मुगल भारत और यूरोप में विभिन्नताएँ**	
	(i) भारत में निजि भूस्वामित्व का अभाव था जबकि यह सिंद्धात यूरोप में विद्यमान था।	
	(ii) उसने भारत में भूमि पर राजकीय स्वामित्व की बात कही है।	
	(iii) भारत की कृषि भूमि पर लम्बे निवेश व रख-रखाव पर ध्यान नहीं दिया जाता था।	
	(iv) भारत में केवल शिविर-शहर थे।	
	(v) भारत में केवल दो वर्ग थे - अमीर और गरीब	
	(vi) मध्यम वर्ग का अभाव था	
	(vii) राजा ''भिखारियों और क्रूर लोगों का राजा था।	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर / मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(viii) इसके शहर और नगर विनष्ट तथा 'खराब हवा' से दूषित थे।	
	(ix) इसके खेत 'झाड़ीदार' तय 'घातक दलदल' से भरे हुए थे।	
	(x) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई तीन बिंदु) पृष्ठ 131	1 + 3 + 3 = 7
17.1	**गोविन्द वल्लभ पंत का आत्मानुशासन की कला पर जोर -**	
	(i) लोकतंत्र की सफलता के लिए।	
	(ii) निष्ठावान नागरिक बनने के लिए।	
	(iii) समुदाय और मदद को बीच में रख कर सोचने की आदत छोड़नी होगी।	
	(iv) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई दो बिंदु)	
17.2	**लोकतंत्र की सफलता -**	
	(i) आत्मानुशासन के द्वारा	
	(ii) निष्ठावान नागरिक बनकर	
	(iii) समुदाय और निजी बातों पर विचार न किया जाए	
	(iv) अपने लिए कम ओर औरों के लिए ज्यादा फ्रिक करके	
	(v) खंडित निष्टा का परिहार करके	
	(vi) देश और राज्य के लिए निष्ठा रख कर	
	(vii) बृहतर या दूसरो के हितों का ध्यान रखकर	
	(vii) अन्य कोई उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई तीन बिंदु)	
17.3	**अपनी परवाह कम और अन्यों की अधिक परवाह -**	
	(i) खंहित निष्ठा नहीं हो सकती	
	(ii) अन्यों को हितों की परवाह करके	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

प्रश्न स.	अपेक्षित उत्तर/मूल्य बिंदु	अंक विभाजन
	(iii) राज्य और सरकार की तरफ निष्ठा रख कर	
	(iv) अपने अपव्यय पर अंकुश लगा दूसरो के हितो को ध्यान रख कर	
	(v) अन्य कोई ओर उपयुक्त बिंदू।	
	(कोई दो बिंदु) पृष्ठ 419	2 + 3 + 2 = 7
18	मानचित्र पर अंकित	
	(A) चम्पारन	
	(B) खेड़ा/अहमदाबाद	
	(C) अमृतसर	
	(i) नागेश्वर	
	(ii) विजयनगर	

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

Downloaded From: http://www.cbseportal.com

61/1/1, 61/1/2, 61/1/3

Cut Here ---- यहाँ से काटें ---- Cut Here ---- यहाँ से काटें

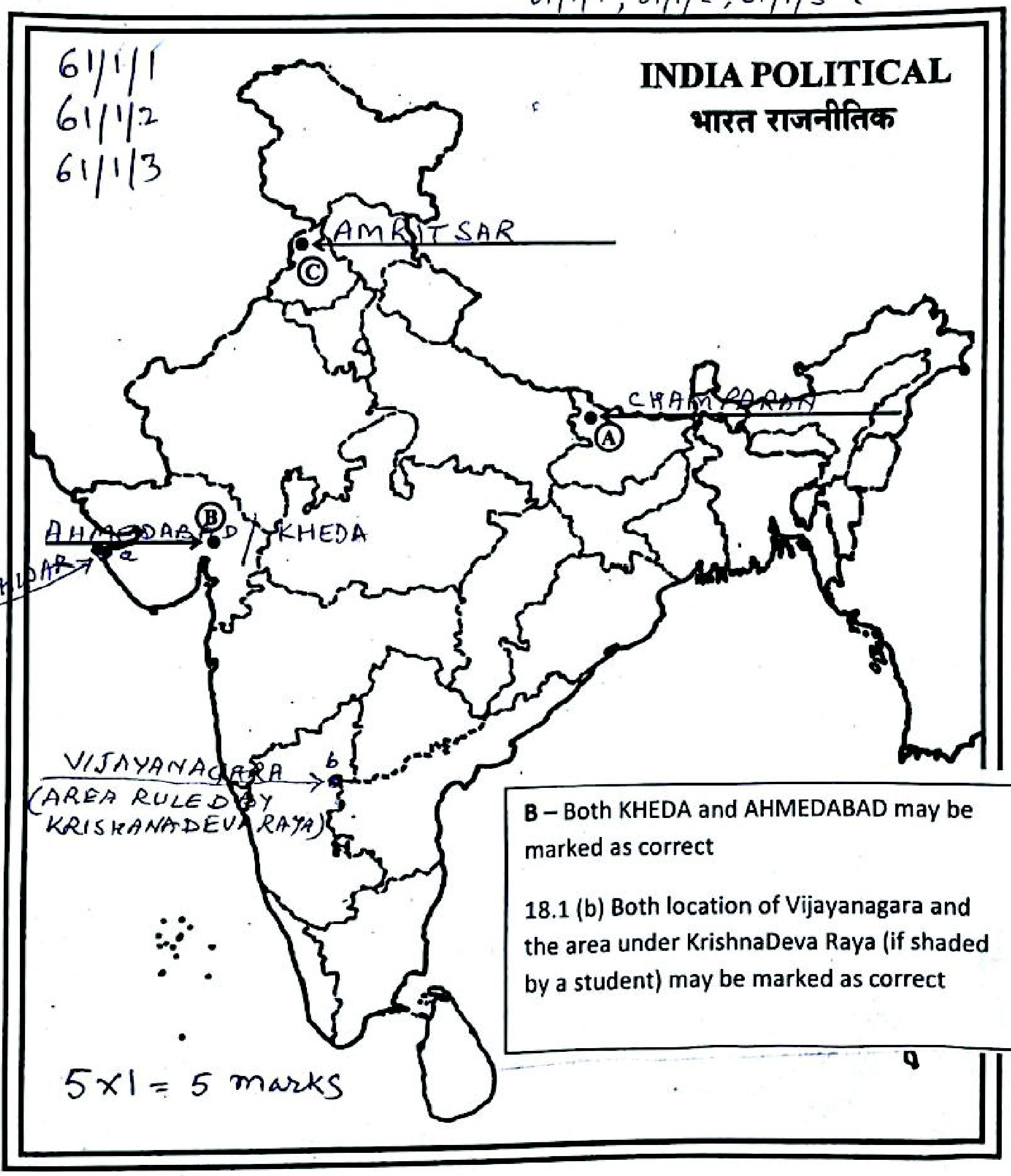

B – Both KHEDA and AHMEDABAD may be marked as correct

18.1 (b) Both location of Vijayanagara and the area under KrishnaDeva Raya (if shaded by a student) may be marked as correct

Downloaded From: http://www.cbseportal.com